राज्य सेवा अधिकारियों के लिये आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 2017

[11 सितम्बर 2017 से 22 दिसम्बर 2017]

ग्राम/शहरी क्षेत्रों का अध्ययन
(20–24 नवम्बर 2017)

राजस्थान सरकार

हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान

जयपुर–302017

दूरभाष – **0141-2706556, 2715203 & 2715211** फैक्स **0141-2705420**

विषय सूची

क्र.संख्या	विषय
1	एक गाँव का अध्ययन– कुछ सुझाव
2	गाँव के अध्ययन के उद्देश्य
3	किये जाने वाले कार्य
4	कार्य प्रणाली

परिशिष्ट	
I	ग्रामीण संस्थाए
II	सरकारी कार्यक्रमों के अन्तर्गत ग्रामीणों की अवधारणायें
III	विषय
IV	ग्रामीण स्कूल/ग्रामीण शिक्षण संस्थाएं
V	अनुपयोगी भूमि, सामाजिक, वानिकी, जल विभाजन, (वाटर शैड़) पेय जल तथा ईधंन जैसे मुद्दों के लिए मानसिक तालिक बनाना
VI	महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर मानसिक तालिक बनाना

भारतीय गाँव का अध्ययन–कुछ सुझाव :

आप में से अधिकाशं के लिए एक भारतीय गाँव में समूह के रूप में गाँव का छः दिन तक अध्ययन करना एक नया अनुभव होगा। आप लोग गाँव के बारे में उनके सामाजिक ढाँचे के बारे में उनकी जातिगत प्रतिस्पर्धाओं, उनके सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति पर, गैर बराबरी के संसाधनों पर नियंत्रण, उनकी गरीबी तथा बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जुडे विकास के प्रयासों के बारे में आप पढ़ते रहे होगें। गाँव पर हुए अनेकों अध्ययनों की बराबरी गाँव की वास्तविकताओं को स्वयं देखने की जगह नहीं ले सकते आप लोगो का थोडे समय गाँव में रहने का जो उद्देश्य है उसके पीछे आपकों गरीब ग्रामीणों का साधनहीन शक्तिहीन आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना है। किसी भी विकास अधिकारी के लिए जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं को कम करना एक चुनौती है। साधनहीनता और गरीबी की अमीरी से तुलना करना भी इन गाँवों में आपको चौकांयेगा।

1. गाँव देखना वास्तविकता से साक्षात्कार करना है। असल में हम चाहते है कि जिन गाँवों में आप जा रहे हैं उन्हें आप बारीकी से देखें और स्वयं विश्लेषण करें कि गाँव के पिछड़ेपन तथा गरीबी की बुनियादी आवश्यकताएं क्यों पूरी नहीं हो पाती। स्वंतन्त्र भारत में गरीबी हटाने का कार्य पांच दशक से चल रहा है और अब तक हमें अपनी ताकतों और कमजोरियों का काफी अनुभव हो चुका है। हमारी आपूर्ति व्यवस्था अपर्याप्त क्यों है? तथा हम अपनी असफलताओं पर काबू कैसे पा सकते है। हम चाहते हैं कि आप यह बात लोगों से सीखें। अगर आप प्रयास नहीं करते तो लोगों से सीखना मुश्किल कार्य है। कोशिश करके आप लोगों से स्थानीय भाषा में बात करें ताकि ग्रामीण स्त्री पुरूष अपने आप को व्यक्त कर सकें। आपकों गाँव में अपना दृष्टिकोण लोगों को समझाने के लिए नहीं भेजा है। वो स्वयं की समस्याओं को आप से अधिक समझते है। उनकी बात धैर्य से सुने।
2. जैसा कि आप जानते है गाँव में 5–8 अधिकारी होगें और आपके प्रवास के अन्त में आपके अध्ययन की रिपोर्ट माँगी जायगी। आपसे गाँव की अध्ययन रिपोर्ट पर आधारित प्रस्तुति देने को भी कहा जायेगा।

3. आपके गाँव में प्रवास के दौरान हम कोई सैद्धान्तिक परिणाम नहीं चाहते। हम चाहते है कि जिस गाँव में आप गये वहाँ की तथा जिन लोगों से आप मिले उनकी विशेषता का रिकार्ड आपके पास हो।
4. अगर आप गाँव में जिन लोगों से बातचीत करते हैं उनका विश्वास जीत लेते है तो इस संस्थान वाले लोग यह महसूस करेगे कि ग्राम अध्ययन कार्यक्रम के उद्देश्य पूरे हो गये।
5. अनाधिकारिक तौर से गाँव से अनुपस्थित होना कठोर दण्डनीय कारण बन सकता है यहाँ तक कि इससे आपकी नौकरी समाप्त हो सकती है। इस कार्यक्रम को गाँव से बाहर रहकर एक मजाक न बनाये। आपको जो यह अवसर दिया जा रहा है इससे सीखने का प्रयास करें।

ग्राम अध्ययन के बुनियादी पाठयक्रम के उद्देश्य–गाँव का अध्ययन क्यों?

गाँव में रहकर गाँव का अध्ययन करना OTS के ग्रामीण जीवन से अवगत कराना है। इसे गाँव का त्वरित मूल्यांकन भी कहा जा सकता है। आप में से कुछ लोग पहिले कभी गाँव में रहे होगें। मगर गाँव की बुराइयों को देखने का प्रयास नहीं किया होगा। गाँव भ्रमण तथा गाँव अध्ययन OTS को ग्रामीण जीवन और उसकी कठिनाइयों जिनका सामना गरीब ग्रामीण व्यक्तिगत तौर पर करते हैं उसके प्रति संवेदनशील बनाना है।

जब आप गाँव की संस्थाओं सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन देख रहें हों तो हमेशा यह जानने का प्रयास करें कि उनका प्रभाव विभिन्न ग्रामीण समूहों पर किस प्रकार पड़ रहा है। ग्राम अध्ययन के उद्देश्य निम्न प्रकार है।

1. ग्रामीण सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और भौतिक रूप रेखा को समझाना जो कि ग्रामीण जीवन की, गुणवत्ता को प्रभावित करती है। गाँव वाले जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं उनके प्रति संवेदन शील बनना उनके बारे में जानकारी रिकार्ड करना उनकी आवश्यकताओं और चिन्ताओं को महसूस करना, समस्याओं के प्रति उनके विचारों को जानना तथा वो अपनी समस्याओं को किस प्रकार सुलझाते हैं यह समझना और स्थानीय संसाधनों की जानकारी पाना तथा यह देखना कि विकास कार्यक्रमों में ग्रामीणों की भागीदारी किस तरह से है।

2. गरीबी हटाने वाले कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का मूल्याकंन
3. उन तथ्यों की समझ को सुगम बनाना जो प्रशासनिक योजनाओं तथा निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
4. अध्ययन से निकली बातों का उपयोग करके नीति–निर्धारण करना तथा गाँव के स्तर पर सूक्ष्म योजनाएँ बनाना।?
5. सभी तरह के भेदभाव जो गाँव में मौजूद है उनका अध्ययन करना।

किये जाने वाले कार्यक्रम :

OTS को नीचे दिये गये अध्ययन करने हैं तथा उनका लिखित व्यौरा तैयार करना है जिसकी प्रस्तुति उनके लौटने पर सबके समक्ष की जायेगी।

1. **गाँव की रूपरेखा** : इसमें गाँव का आम विवरण होना चाहिए जिसका आधार गाँव की स्थिति, जनसंख्या, सामाजिक वर्गीकरण, भूमि के स्वामित्व का प्रकार, सिंचाई के तरीके, वहाँ होने वाली फसलें आदि हो। यह जानकारी एकत्र करने के लिऐ आप गाँव के कर्मचारियों तथा जिलास्तर के अधिकारियों की सहायता ले सकते है। वास्तविकताओं के प्रति आपकी प्रतिक्रिया तथा गाँव की स्थिति का मूल्यांकन गाँव की रूपरेखा का आधार होना चाहिए। यह रूप रेखा केवल 2 या 3 पृष्ठ की होनी चाहिए।
2. **ग्रामीण संस्थान** : आपकों गाँव के किसी एक संस्थान का विस्तृत अध्ययन करना है उस अध्ययन में इस संस्था की आवश्यकता उसकी भूमिका तथा उसके कार्य को शामिल करना है। यदि इससे जुड़े कुछ कानूनी प्रावधान है तो गाँव की वास्तविकता की स्थिति से उसकी तुलना भी होनी चाहिए।
3. **विषयवस्तु** : यहाँ पर आपके सामने ग्रामीण के विशेष पक्षों पर अध्ययन करने का अवसर है। आप चाहें जो भी विषय लें उसमें आम आवश्यकताओं तथा हमारे राष्ट्रीय उद्देश्य या उससे जुड़े पक्षों का विश्लेषण शामिल करें तथा गाँव में जो भी वास्तविकताएं देखते हो उसे विस्तार से लिखें।
4. **चालू कार्यक्रमों के प्रति ग्रामीणों का दृष्टिकोण** : गरीबी उन्मूलन तथा ग्रामीण विकास के लिए बहुत से कार्यक्रम जो सरकारी है। जिनका क्रियान्वयन राज्य में

पंचायती राज संस्थाए ग्रामीणों के सहयोग से करती हैं। आपके पास इस प्रकार की योजनाओं का सार होना चाहिए ग्रामीण जीवन के विषय पर लिखित सामग्री के बजाय विभिनन वर्गों (काम करने वाले और काम न करने वाले दोनों) के वहाँ के कार्यक्रमों के प्रति दृष्टिकोण को ले सकते है। आपकों गाँव के इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन की पृष्ठभूमि अवश्य देनी चाहिए। और यह भी अवश्य बताना चाहिए कि यह कार्यक्रम वास्तविक तथा अर्थिक रूप से कैसे चलाया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीणों का दृष्टिकोण जाना जा रहा हो तो जितने अधिक लोगों से सम्पर्क करे विशेष कर महिलाओं और समाज के हाशिये पर जीने वाले लोग आपको जो कुछ देख रहे है उसकी तुलना उनके सरकारी कागजों में दिखाये गये वर्णन के तौर तरीके से कर सकते है। अन्त मे आप अपने तौर पर स्थिति का मूल्यांकन दें। चाहे कोई गाँव के किसी संस्थान का अध्ययन कर रहा हो या सरकारी कार्यक्रम का अथवा किसी विशेष विषय का। OTS को यह सुझाव दिया जाता है कि वे सुविधा–प्रोग्राम न करने वालों या किसी विशेष कार्य या रणनीति को नहीं अपनाने वाले लोगों को भी देखे। इससे उन्हें यह जानकारी मिलेगी कि ऐसे कौन से लोग हैं जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रयोग नहीं करते अथवा स्कूल या बैंक नहीं जाते। यदि ऐसा हो तो उसके पीछे क्या कारण है? यदि किसी ने अधिक उपज होने वाली फसलों को नहीं अपनाया तो उसके पीछे क्या कारण रहा है। इससे सरकारी तथा सामाजिक संस्थानों के बारे में अन्तदृष्टि मिलेगी।

5. **गाँव के सर्वाधिक गरीब परिवार की रूप रेखा एवं अध्ययन** : यह आपका सबसे महत्पूर्ण कार्य है। कई गरीब परिवारों से मिलने तथा सावधानी पूर्ण पूछताछ के बाद सबसे गरीब परिवार का चयन करें। कई मामलों में गाँव वाले किसी एक परिवार को ही गरीब बतायेगें। उनके परिवारिक साधनों का वर्णन किया जायेगा। उनके मौजूद बर्तन, बिस्तर, कुछ कपड़े, झौपड़ी आदि और उन पर चढ़े कर्ज और उनकी अपने अस्तित्व को बनाये रखने की बात करेंगे साथ ही उनकी कई जिम्मेदारियों को भी बतायेगे। क्या उन्हें अपने रिश्तेदारों या अन्य ग्रामीणों की कोई मदद मिलती है? क्या उन्हें कोई संस्थानिक या सरकारी मदद मिलती है? कोई

प्राकृतिक आपदा जैसे आग, बाढ, आकाल, तूफान आदि में परिवार अपने आप को कैसे जीवित रखता है।

आप अपनी प्रतिक्रिया और दृष्टिकोण बतायें। परिवार द्वारा किये जाने वाले श्रम को स्पष्ट तौर पर बतायें। क्या इस समस्या का जो कि आम या खास हो सकती है। कोई समाधान है।

कार्य विधि :

1. गाँव में खुले दिमाग से जाइये न कि किसी सिद्धान्तों व आशाओं के साथ उनसे सीखिए उनको सिखाने का प्रयास मत करिये। गाँव के पक्षों एवं धारणाओं को एकत्र करिये। गाँव वालों को अपनी समस्याओं का विश्लेषण और समाधान स्वयं करने दीजिए। आपका विश्लेषण केवल तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।
2. गाँव वालों के साथ बिना किसी सरकारी कर्मचारी के मिलिये। इस बात से बचिये कि उन्हें लगे कि आप सरकारी मशीनरी के अंग है।
3. गाँव वालों की समस्याएं सुनिये। गाँव वालों को किसी समस्या के समाधान का वादा न करें। किसी तरह की आशाये भी मत जगाइये। कोई वादा मत करिये। आपको एक प्रशिक्षु की हैसियत से गाँव में भेजा जा रहा है। और सरकारी मशीनरी का अंग होने के नाते यह देखना है कि गाँव वालों के लिए क्या किया जा सकता है। और क्या नही?
4. महिलाओं एवं वचिव वर्ग के लिए उनसे मिलिये। उन्हें सहानुभूति दिखाइये मगर किसी का पक्ष मत लीजिये।
5. अपने दृष्टिकोण को, अपने सुझावों को इमानदारी से व्यक्त कर दर्ज करिये। तथा वहाँ के जिला अधिकारियों को दिखाइये। अपने सुझावों को अन्तिम समाधान के तौर पर लिये जाने का आग्रह मत करिये। यह बात जिला– अधिकारियों पर छोड दीजिये कि वह आपकी रिपोर्ट पर क्या प्रतिक्रिया करते हैं। तथा क्या निर्णय लेते है।

गाँव की संस्थाएं

1. गाँव का स्कूल
2. ग्राम पंचायत
3. सहकारी समिति
4. व्याणिज्यिक अथवा क्षेत्रीय बैंक
5. प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र अथवा उपकेन्द्र / आयुर्वेद औषधालय
6. पशु चिकित्सा केन्द्र अथवा उपकेन्द्र
7. महिला मंडल / नव युवक मंडल
8. पैसा उधार देने वाला
9. मंदिर
10. हस्त शिल्प प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र
11. जमीदार /भू–स्वामी
12. पटवारी
13. ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ता
14. स्वयं सेवी संस्थायें
15. किसान संगठन / जातीय संगठन
16. सामुदायिक पंचायते / परम्परागत संस्थायें

परिशिष्ट–2

1. स्वर्ण जयन्ती ग्रामीण स्वरोजगार योजता (एस.जी.एस.वाई)
2. जे.जी.एस.वाई.
3. परिवार कल्याण एवं टीकाकरण कार्यक्रम
4. पाठशाला पूर्व शिशु एवं मातृपोषाहार कार्यक्रम
5. प्रशिक्षण एवं निरीक्षण व्यवस्था
6. दुग्ध विकास कार्यक्रम – ऑपरेशन पलड (बाढ नियंत्रण कार्यक्रम)
7. विशेष पशुपालन कार्यक्रम
8. सीलिंग से अधिक जमीन के अधिग्रहण और उनके भूमिहीन मजदूरों में वितरण का कार्यक्रम
9. ग्रामीण आवसीय कार्यक्रम जिनमें इन्द्रिरा आवास योजना शमिल
10. छोटे और हाशियें के किसानों के लिए विशेष कार्यक्रम
11. अनऔपचारिक शिक्षा कार्यक्रम/शिक्षाकर्मी/लोक जुम्बिश
12. वृद्धावस्था पेंशन कार्यक्रम जैसे समाज सुरक्षा कार्यक्रम
13. कोई अन्य विकास कार्यक्रम जैसे मत्स्य पालन कार्यक्रम
14. आदिवासी उपयोजना/आई टी.डी.पी (समेकित– आदिवासी विकास कार्यक्रम)
15. स्पेशल कम्पोनेन्ट योजना
16. अल्पतम आवश्यकताए कार्यक्रम
17. सार्वजनिक वितरण व्यवस्था (उचित मूल्य दुकानें)
18. विशेष योजनाए
19. सामाजिक वानिकी योजना/संयुक्त प्रबन्धन समिति
20. गोबर गैस सयंत्र
21. डी.डी.पी (मरूस्थल विकास योजना)
22. डी.पी.ए.पी. (सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम)
23. बीस सूत्रीय कार्यक्रम
24. राजीव गाँधी स्वर्ण जयन्ती पाठशालाएं

25. निर्धूम चूल्हें

26. वाटर शैड विकास कार्यक्रम

27. अनुपयोगी भूमि विकास कार्यक्रम

28. मुख्य मंत्री रोजगार योजना

29. सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार (केन्द्र संरक्षित योजना)

30. काम के बदले अनाज कार्यक्रम

31. प्रधान मंत्री ग्रामोदय योजना (ग्रामीण आवास)

32. शहरी ढाँचागत सुविधाओं को गाँव तक ले जाने की योजना (PURA)

33. जिला गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम

34. विधायक स्थानीय विकास कार्यक्रम

35. खान क्षेत्र विकास कार्यक्रम

36. गुरू गोवालकर भागीदारी विकास कार्यक्रम

37. सहरिया तथा जन – जाति परिवारों के लिए विशेष विशेष रोजगार कार्यक्रम

38. ग्रामीण परिवारों के लिए राज राजेश्वरी योजना

39. राष्ट्रीय ग्रमीण रोजगार गारण्टी कार्यक्रम

विषय

1. कृषि + भूमि

1. भूमिहीन श्रमिकों की स्थिति
2. भूमि स्वामित्व के प्रकार
3. प्रयोग एवं वितरण
4. अधिक उपज देने वाली किस्में तथा विकास का वितरण

2. गाँव के मुद्दे

5. संयुक्त ग्रामीण सम्पत्ति का प्रयोग
6. गाँव में व्यापार एवं वाणिज्य
7. सत्ता का ढाँचा तथा संस्थान
8. ग्रामीण विकास

3. न्यूनतम आवश्यकताए

9. ग्रामीण विद्युतीकरण का तरीका
10. पेयजल की आपूर्ति
11. ग्रामीण साफ सफाई

4. ग्रामीण परिवार

12. भोजन की आदतें
13. ईधंन एवं भोजन बनाना
14. परिवारों में भोजन का बँटवारा
15. गरीब परिवारों के लिए मन्दी के समय जीवित रह पाना
16. भूमिहीन परिवार के जीवन का एक दिन
17. किस प्रकार गम्भीर घटनाए जैसे सूखा, बाढ़, आगजनी या परिवार के कमाने वाले सदस्य की मौत परिवार को प्रभावित करती है।
18. मौसमी गाँव से शहर की ओर परिवार को पलायन
19. ग्रामीण कर्जदारी

5. सामाजिक धार्मिक मुद्दे :–

20. गाँव की जाति व्यवस्था
21. धार्मिक उत्सवों का चक्र
22. विश्वास, रिवाज तथा पर्व

6. महिलाऐ एवं स्वास्थ्य की देखभाल

23. परिवार में महिलाओं की स्थिति/विधवाओं की दशा
24. दहेज
25. समाज के विभिन्न वर्गों में महिलाओं का स्थान ?
26. ग्रामीण एकल महिला परिवार
27. प्रचलित तरीके, जानकारियाँ तथा दृष्टिकोण जो स्वास्थ्य तथा प्रजनन कार्यक्रमों को प्रभावित करते है।
28. शिशु मृत्यु
29. कुपोषण
30. ग्रामीण कृषक महिलों का स्तर

7. कानून और विधाई विवाद

31. न्यूनतम मजूदरी कार्यक्रम/ वास्तविकता
32. जमीन पर लगान सम्बन्धी एवं आपराधिक मुकदमें बाजी,
33. जमीन को लेकर होने वाले विवाद विशेषकर छोटे/हाशिये के किसानो या भूमिहीनों सम्बन्धित

8. बच्चों की जानकारी

9. पर्यावरणीय स्तर

परिशिष्ट–4

1. गाँव का स्कूल/गाँव की शिक्षण संस्थाएं

1. यह कहाँ पर है?
2. इसकी स्थापना कब हुई।
3. कितने अध्यापक हैं।
4. कितनी कक्षाए है।
5. कितने कमरे हैं।
6. उम्र लिंग जाति समुदाय के अनुसार उपस्थिति
7. पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर तथा कारण
8. स्कूल की अवधारणाए
9. स्कूल अध्यापकों की अवधारणायें
10. गाँव में साक्षरता
11. क्या किया जाना है।

2. ग्राम पंचायत

12. यह कहाँ पर है?
13. इसमें चुनाव कैसे हुए
14. वित्त पोषण का प्रकार
15. कर व्यवस्था
16. वित्त विवरण
17. कर व्यवस्था
18. कार्यक्रम
19. कार्य का वितरण
20. विभिन्न समूहों की ळच की – अवधारणा
21. महिलाओं जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों तथा अल्प संख्यकों की स्थिति, उनके लिए कानूनी प्रावधान तथा इनकी वास्तविकता

3. अन्य संस्थानिक गतिविधियाँ

परिशिष्ट–5

अनुपयोगी भूमि सामाजिक वानिकी वाटरशैड, पेयजल तथा ईंधन की मानसिक प्रश्नावली

1. ग्रामीण ईधन की आवश्यकता कैसे पूरी करते हैं? यदि वह लकड़ी है तो कहाँ से मिलती है? उसका मूल्य क्या होता है? तथा उसे कौन इकट्ठा करता है?
2. ग्रामीण अपने पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था कैसे करते है?
3. पेड़ लगाने के प्रति ग्रामीणों का क्या रवैया है? क्या इसे सरकारी कार्यक्रम के रूप में देखा जाता है या फिर इस कार्यक्रम में लोगों को कोई लाभ दिखाई देता है।
4. संयुक्त जमीन पर गाँव वालों के पशु चराने के क्या अधिकार है? गाँव में घास या चारे की उपलब्धता बढाने के लिए क्या प्रयास किये गये हैं।
5. सबसे नजदीकी पौधशाला कितने फासले पर है? क्या गाँव वाले सामाजिक वानिकी के तहत फायदा उठा रहे है?
6. क्या कोई गैर सरकारी संस्था गाँव में काम कर रही है यदि हो तो उसने क्या परिणाम दिये है।
7. पेड़ लगाने की योजनाओ का फायदा कौन लोग मुख्य तौर पर उठा रहे है। जंगल के ठेकेदार? धनी किसान? राजनीतिज्ञ? वन विभाग कर्मचारी या गरीब? गरीबों तक किस प्रकार के फायदे छनकर आते है?
8. क्या निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाये शामिल हैं यदि हाँ तो किस प्रकार के संस्थागत प्रभाव से?

परिशिष्ट–6

महिला सम्बन्धी मुद्दों पर मानसिक प्रश्नावली

1. आप कब सोकर उठती है? कब सोती है?
2. आपके कितने बच्चे है? कितने मर चुके है?
3. क्या आपके प्रसव आसानी से हुए? आपने प्रसव कहाँ करवाया?
4. गर्भावस्था में आप क्या खाती है? क्या आप दवाएं लेती है?
5. क्या आपके गर्भ धारण और प्रसव के दौरान ए.एन.एम आपकी मदद करती है? यदि नही तो कौन करता है?
6. क्या आपकों और बच्चे चाहिए? इस मामले में किसने निर्णय लिये?
7. आपके बच्चे क्या करते है? आपकी बेटियाँ क्या करती है?
8. क्या वे स्कूल जाते है? क्या आपको लगता है कि उन्हें स्कूल भेजने में फायदा है?
9. क्या कभी आप चाहती हैं कि आप पढ़ना लिखना जानती? ऐसा किस समय ज्यादा सोचती है?
10. गाँव का प्राथमिक स्कूल कहाँ है? क्या कभी आप वहाँ गई हैं।
11. क्या प्राथमिक विद्यालय में आने वाली बहनजी को आप जानती हैं? क्या वे आपके यहाँ कभी आती है?
12. क्या आप चाहती है कि लड़कियाँ स्कूल जाये? क्या आप सोचती है कि आपकी माँ को आपको स्कूल भेजना चाहिए था?
13. क्या प्राथमिक विद्यालय में वह पढाया जा रहा है जिसे वह सीखना चाहती है? वह क्या सीखना चाहेंगी? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?
14. क्या आप जानती है कि पंचायत कहाँ है?
15. पंचायत में कितनी महिला सदस्याए है? उनके क्या नाम हैं?
16. क्या कभी आप अपनी समस्याएं लेकर गई है?
17. क्या कभी उन्होंने आपके पास आकर आपसे पूछा है?
18. क्या आपको DWCRA की जानकारी है?

19. क्या कभी आप उन बैठकों में बोली है? क्या महिलाएं सदस्याए वहाँ बोलती है। महिलाओं के बोलने पर गाँव वालों की क्या प्रतिक्रिया होती है?

20. क्या आप बाजार जा सकती है।